बाल भारती पब्लिक स्कूल ,पीतमपुरा
कक्षा - सातवीं
विषय - हिंदी

सप्ताह -11/O1/2021.से 15/O1/2021
उपविषय -ए.ए. सी. गतिविधि
विशेषण एवं उसके भेद
अधिगम प्रतिफल
१)वाक्य में विशेषण रेखांकित कर भेद बता पाएँगे ।
२) शब्द भंडार में वृद्धि होगी
३)नदियों का महत्व छात्र जान पाएँगे ।
४) छात्र यह भी जान पाएँगे कि नदियों को लोकमाता क्यों कहा जाता है ।
५) अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।
निर्देशात्मक सहायक सामग्री
नीचे दिए गए लिंक के द्वारा छात्र 'हिमालय की बेटियाँ ' पाठ को समझेंगे ।
https://youtu.be/ePdggUWTlDE
पाठ परिवर्धन
कालांश -१

पाठ का सारांश

इस निबंध में लेखक ने उन नदियों का वर्णन किया है जो हिमालय से निकलकर सागर तक पहुँचने के मध्य कई रूप धारण कर लेती हैं। लेखक ने अभी तक इन नदियों को दूर से ही देखा था। मैदानी इलाकों में यह नदियाँ बड़ी गंभीर, शांत तथा अपने आप में खोई हुई-सी प्रतीत होती थीं। किसी सभ्य महिला की तरह दिखने वाली इन नदियों के प्रति लेखक के मन में आदर तथा श्रद्धा के भाव थे। वह इन नदियों की धारा में वैसे ही डुबकी लगाया करता था जैसे कोई बच्चा अपनी माँ, दादी, मौसी या मामी की गोद में खेला करता है। मैदानी भागों में नदियाँ माता स्वरूपिणी बन मानव जाति के पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसलिए उनके लिए मन में आदर का भाव सहज ही उत्पन्न हो जाता है।

लेकिन इस बार जब लेखक हिमालय की यात्रा पर गया तो इन नदियों का एक अलग ही रूप देख हैरान रह गया। हिमालय पर दुबली-पतली सी दिखने वाली गंगा, यमुना तथा सतुलज मैदानों में उतर कर इतनी विशाल कैसे हो जाती हैं। इनके व्यवहार की चंचलता तथा उल्लास मैदानों में क्यों नहीं दिखाई देता? हिमालय की गोद में अठखेलियाँ करती उसकी इन बेटियों की बाल-लीला देख कर लेखक को जितना आश्चर्य हुआ उतना कभी किसी छोटी लड़की या नन्ही कलि को देख कर भी नहीं हुआ था।

लेखक सोच में पड़ जाता है कि अपने महान पिता का विराट प्रेम पाकर भी यह नदियाँ क्यों अतृप्त हैं तथा किस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बेचैन होकर भागी जा रही हैं? वह कौन सी मंजिल है जहाँ पहुंचकर इनकी प्यास बुझ सकेगी? बर्फहीन पहाड़ियाँ, हरी-भरी घाटियाँ और गहरी गुफाएँ, जहाँ इनकी बाल क्रीड़ा होती है, को छोड़कर ये आगे बढ़ जाती हैं। आगे जाकर जब ये मैदानी जंगलों में पहुँचती हैं तो क्या इन्हें बीते दिन,याद नहीं आते? बूढ़ा हिमालय अपनी इन नटखट बेटियों के लिए जरूर परेशान रहता होगा, लेकिन यदि हम उसकी बड़ी-बड़ी चोटियों से यह पूछें तो सिवाय मौन के और कोई उत्तर नहीं मिलेगा।

सिंधु और ब्रह्मपुत्र के बीच रावी, सतलज, चेनाब, झेलम, गंगा, यमुना, गंडक आदि कई छोटी-बड़ी नदियाँ हैं जो हिमालय की ही बेटियाँ हैं। वास्तव में यह नदियाँ हिमालय के पिघले हुए हृदय की बूँदें हैं जो इकट्ठा होकर समुद्र की ओर प्रवाहित होती रहती हैं। वह समुद्र सचमुच बड़ा सौभाग्यशाली है, जिसे पर्वतराज हिमालय की इन बेटियों का हाथ थामने का श्रेय मिला।

मैदानों में इन नदियों को देख कर शायद ही कोई यह अनुमान लगा सके कि वृद्ध हिमालय की गोद में बच्चियाँ बन कर कहता है यह कैसे खेला करती हैं। लेखक कहता हैं कि अपने पिता की गोद में नंग-धड़ंग खेलने वाली इन बालिकाओं का रूप पहाड़ी लोगों के लिए सामान्य बात हो सकती है, लेकिन उसे यह रूप इतना लुभावना लगता है कि वह हिमालय को श्वसुर तथा समुद्र को उसका दामाद कहने में जरा भी संकोच नहीं करता।

ए.ए.सी . गतिविधि

' हिमालय की बेटियाँ ' पाठ में हिमालय से निकलने वाली नदियों का सजीव वर्णन किया गया है । पाठ का अध्ययन करने के पश्चात नदियों की यात्रा का संक्षिप्त वर्णन कीजिए तथा बताएँ कि नदियों को लोकमाता क्यों बताया गया है ।

* कोई पाँच कारण लिखिए जिसके कारण नदियों को लोकमाता कहना उचित है ।

कालांश -२

नीचे दिए गए लिंक की सहायता से छात्र विशेषण और उसके भेदों के बारे में जान पाएँगे ।

https://youtu.be/AvakIFgvDPQ

https://youtu.be/UZKckOugG-k

संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि) बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। जैसे - बड़ा, काला, लंबा, दयालु, भारी, सुन्दर, कायर, टेढ़ा-मेढ़ा, एक, दो आदि।

विशेषण के भेद : विशेषण के मुख्यतः चार भेद बताये गए हैं।

1. गुणवाचक विशेषण
2. परिमाणवाचक विशेषण
3. संख्यावाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

गुणवाचक विशेषण: वे विशेषण जो अपने विशेष्य (संज्ञा या सर्वनाम) के गुणों की विशेषता बताते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं। अब देखते हैं की गुणों से क्या मतलब हैं। गुण का मतलब जैसे किसी व्यक्ति का रूप, आकार, रंग, स्वाभाव, अवस्था आदि से है। ये कई प्रकार के होते हैं। नीचे उनके नाम दिए गए हैं।

गुण बोधक, दोष बोधक, रंग बोधक, स्थान बोधक, आकार बोधक, दिशा बोधक, अवस्था बोधक, आयु बोधक, गंध बोधक आदि। जैसे:

- पुराना फर्नीचर बेच देना।
- चटपटा समोसा खाना चाहिए।
- ठंडा पानी पीना चाहिए।

पहले वाक्य में पुराना दूसरे में चटपटा और तीसरे वाक्य में ठंडा शब्द गुणवाचक विशेषण हैं क्योंकि ये शब्द क्रमशः फर्नीचर, समोसा और पानी की विशेषता बता रहे हैं।

संख्या वाचक विशेषण : जो विशेषण शब्द की प्राणी, व्यक्ति या वस्तु की संख्या से सम्बंधित विशेषता का बोध करते हैं उन्हें संख्या वाचक विशेषण कहते हैं। जैसे

- मंदिर में दो पुजारी हैं।
- कक्षा में पचास छात्र हैं।
- उसने तीन दर्जन आम खरीद लिए।
- अभिषेक दौड़ में प्रथम आया।

इन सभी वाक्यों में दो, पचास, तीन दर्जन और प्रथम संख्या वाचक विशेषण हैं क्योंकि ये सभी क्रमशः पुजारी, छात्र, आम और अभिषेक की संख्या सम्बन्धी विशेषता बता रहे हैं।

परिमाणवाचक विशेषण की परिभाषा

ऐसे शब्द जो हमें किसी संज्ञा या सर्वनाम के नाप-तौल या मात्रा का बोध कराएं, वे शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे : दो किलो चीनी, चार किलो तेल, थोड़े फल, एक लीटर दूध, एक तोला सोना, थोड़ा आटा आदि।

उदाहरण

- जाओ बाज़ार से **एक किलो** आटा लेकर आओ।

पर दिए गए उदाहरण में आप देख सकते हैं **एक किलो** शब्द का प्रयोग किया गया है। यह हमें आटे का परिमाण बता रहा है जो कि हमें बाज़ार से लाना है।

इस शब्द से हमें आटे का परिमाण पता चल रहा है। अतः यह परिमाणवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।

- मेरे लिए **थोड़े** फल लेकर आओ।

जैसा कि आप ऊपर दिए गए उदाहरण में देख सकते हैं **थोड़े** शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

इस शब्द से हमें सटीक मात्र का पतानाही चल रहा लेकिन इससे हमें पता चल गया है कि लगभग कितने फल लाने हैं। यह शब्द अनिश्चितता प्रकट कर रहा है। अतः यह शब्द परिमाणवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।

- मिठाइयाँ बनाने के लिए हमें **दो किलो** चीनी की ज़रूरत पड़ेगी।

ऊपर दिए गए उदाहरण में जैसा कि आप देख सकते हैं **दो किलो** शब्द का इस्तेमाल किया गया है। यह शब्द हमें बता रहा है की असल में हमें कितनी मात्रा में चीनी की आवश्यकता होगी।

इस शब्द से हमें चीनी के परिमाण का पता चल रहा है। अतः यह शब्द परिमाणवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।

- जाओ जाकर दर्जी से **दो मीटर** कपड़ा लेकर आओ।

जैसा कि आपने ऊपर दिए गए उदाहरण में देखा **दो मीटर** शब्द का प्रयोग किया गया है। इससे हमें कपडे का वो परिमाण पता चल रहा है जोकि हमें लाना है।

यह शायद हमें कपडे की मात्रा या परिमाण बता रहा है। अतः यह शब्द परिमाणवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।

सार्वनामिक विशेषण

-जो सर्वनाम किसी संज्ञा शब्द से पहले जुड़कर उसकी विशेषता बताते हैं ,उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं जैसे -यह घर मेरा है ।

- इस पुस्तक को रख दो ।
- कौन लोग जा रहे हैं ।
- यह गाड़ी नई है ।

अभ्यास

प्रश्न-१ **निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द चुनिए -**

1. **रिमझिम समझदार लड़की है |**
2. **पुराने जूते फेंक दो |**
3. **मुझे लाल कमीज़ पहननी है |**
4. **यह शरबत ठंडा है |**
5. **मेरे पास दो पेंसिल है |**
6. **नितिन ने पाँच संतरे खरीदे |**
7. **गाय हरी घास चर रही है |**

४. माँ ने चटपटी टिक्की बनाई |

९. राजा शिवि बहुत दयालु थे |

10. मोटा लड़का दौड़ नहीं रहा है

प्रश्न 2 निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण छाँटकर भेद बताएँ ।

१) उसकी क़मीज़ के लिए दो मीटर कपड़ा चाहिए ।२)गमले में कुछ फूल हैं ।

३) विनीत समझदार लड़का है ।

४) ये परदे बहुत सुंदर है ।
५) कमरे में पचास कुर्सियाँ हैं ।
६) हमारी पुस्तक में पाँच अभ्यास हैं ।
७) रोहन बहुत चालाक है ।
८)वह लड़का मेरा भाई है ।
९) बाज़ार से कुछ मिठाइयाँ ले आओ ।
१०)उस व्यक्ति को यहाँ बुलाएँ ।

नोट -

नीचे दिए गए अनेकार्थी शब्द एवं मुहावरे कॉपी में कीजिए ।
अनेकार्थी शब्द
१) गुण - स्वभाव ,रस्सी , कौशल
२)गुरु -बड़ा ,श्रेष्ठ ,अध्यापक ,भारी
३) घट - घड़ा ,कम ,शरीर
४) घन -घना , बादल ,हथौड़ा
५)जड़ - वृक्ष का मूल ,मूर्ख , अचेतन
६)पत्र - चिट्ठी ,पत्ता
७)प्रकृति -कुदरत ,स्वभाव , मूलावस्था
८)पानी -जल ,चमक ,मान
९)मत - निषेध ,राय , संप्रदाय
१०)मुद्रा -सिक्का , मुँह का भाव , मोहर

मुहावरे
१)आँख पथरा जाना - देखते - देखते थक जाना
२) आँखों का काँटा होना - बुरा लगना
३) आँखों से गिरना - आदर कम होना
४)आँखों में रात काटना - रात भर जागते रहना
५) आँच न आने देना -हानि न होने देना
६) आसमान पर चढ़ना - बहुत अभिमान करना
७)आसमान पर थूकना - निर्दोष पर लांछन लगाना
८)आकाश - पाताल का अंतर - बहुत अधिक अंतर
९)आग में घी डालना -क्रोध को भड़काना
१०) आँसू पोंछना -धीरज देना

DPS PITAMPURA

मूल्यांकन मौखिक चर्चा एवं कक्षा गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा ।

BBPS,PITAMPURA